भीड़ से होने वाली आपदाओं को रोका जा सकता है

हाल ही में महाकुंभ में हुई भीड़-दुर्घटना में लगभग 30 लोग मारे गए हैं। धार्मिक, खेल और सांस्कृतिक आयोजनों में कई बार इस प्रकार की दुर्घटनाएं हो जाती हैं। सही प्रबंधन से इन्हें रोका जा सकता है।

कुछ बिंदु -

प्रबंधक और स्थानीय सरकारों की भूमिका -

- भीड़ के दबाव को रोकने के लिए भीड़ के घनत्व को सुरक्षित स्तर पर रखना आवश्यक है।
- अधिक प्रवेश और निकाय द्वार खोले जा सकते हैं।
- बड़े आयोजनों के लिए आगमन का समय अलग-अलग रखा जा सकता है।
- जिस रास्ते से अधिक लोगों के आने की संभावना है, उसे मलबा आदि बाधाओं से मुक्त रखा जाना चाहिए।
- भीड़ को समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

समस्या यह है कि आयोजक टिकट, भोजन और माल-बिक्री के लोभ में अधिक-से-अधिक लोगों को आयोजनों में लाना चाहते हैं। महाकुंभ जैसे अति विशाल आयोजनों को देखते हुए सरकार को कुछ नियामक कानून बना देने चाहिए। इससे दुर्घटनाओं से बचा जा सकेगा।

'द हिंदू' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 31 जनवरी, 2025